जाग री- मेरी सुरत सुहागिन
जो जागे सो पिया की प्यारी,
पावे अटल सोहाग री-
जाग री-
1-रैन गई अब काहे को सोवे,
नींद निगोड़ी त्याग री
जाग री-
2-बांह पकड़ पिया आप जगावन,
धन -धन पूरन भाग री
जाग री-
3-चलो री सखी सिनगार सजो री,
रल मिल खेले फाग री
जाग री-
4-कहत मुकुंद धनी मिले हमसो,
जगत प्रीत को त्याग री
जाग री-

Nijanand App